महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

राष्ट्रीय राजमार्ग न. 15, जैसलमेर रोड़, बीकानेर पिन कोडः 334004
दूरभाषः 0151–2970177 ई–मेलः registrar@mgsubikaner.ac.in

क्रमांक : एफ.07(130)मगंसिंविबी / शैक्ष.–II / 2025 / 16497 दिनांक : 2/1/26

संयुक्त सचिव,
उच्च शिक्षा (ग्रुप–4) विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर–302005

विषय : राज्य सरकार के प्रशासनिक विभागों / बोर्ड / निगमों / उपक्रमों के वर्ष 2025–26 के वार्षिक प्रगति विवरण / प्रशासनिक प्रगति प्रतिवेदन भिजवाये जाने बाबत।

प्रसंग : आपका पत्र क्रमांक प.18(02)शिक्षा–4 / 2011 पार्ट–00036 दिनांक 24.12.2025

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के क्रम में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर का वर्ष 2025–26 का वार्षिक / प्रशासनिक प्रगति प्रतिवेदन निर्धारित प्रारूप में तैयार कर आगामी कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है।

संलग्न :– उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

कुलसचिव

क्रमांक : एफ.07(130)मगंसिंविबी / शैक्ष.–II / 2025 / दिनांक :

प्रतिलिपि :– निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित है :–

1. अतिरिक्त आयुक्त, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव–कुलगुरु, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
3. सहायक निदेशक, कॉलेज शिक्षा, राजकीय डूँगर महाविद्यालय, बीकानेर।

अतिरिक्त कुलसचिव

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

दूरभाष:0151 -2970177 **ई :मेल-**registrar@mgsubikaner.ac.in

वार्षिक / प्रशासनिक प्रगति प्रतिवेदन

2025–26

1. **<u>संक्षिप्त इतिहास</u>** : बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर की स्थापना बीकानेर विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 (अधिनियम संख्या 13) के राजस्थान राजपत्र विशेषांक भाग 4 (क) दिनांक 07 जून, 2003 के द्वारा हुई। बीकानेर विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 की धारा 4 (1) में अंकितानुसार इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में बीकानेर संभाग के चार जिले यथा– बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चूरू सम्मिलित हैं। राजस्थान राजपत्र क्रमांक F. 4 (14) Vidhi/2/ 2008 dated October 03, 2008 (राज्यपाल महोदय की अनुमति दिनांक 02.10.2008) के द्वारा बीकानेर विश्वविद्यालय, बीकानेर का नाम परिवर्तित कर **महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर** किया गया। उल्लेखनीय है कि महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में सम्मिलित क्षेत्र का भू–भाग भौगोलिक दृष्टि से रेगिस्तानी एवं पाकिस्तान सीमावर्ती होने के साथ–साथ शैक्षणिक एवं सामाजिक दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है।

इस विश्वविद्यालय ने अपना औपचारिक कार्य तत्कालीन विशेषाधिकारी श्री एम.एम. व्यास, आर.ए.एस. द्वारा 13.06.2003 के कार्यभार ग्रहण करने के साथ प्रारम्भ किया। प्रथम कुलगुरु के रूप में प्रो. होशियार सिंह ने 21.08.2003 को कार्यभार ग्रहण किया। विश्वविद्यालय में पदस्थापित नियमित कुलगुरुओं के कार्यकाल का विवरण निम्नानुसार है :

क्र.स.	नाम	कब से	कब तक
1	प्रो. होशियार सिंह	21.08.2003	11.01.2006
2	डॉ. सी.बी. गेना	08.08.2006	31.05.2009
3	प्रो. गंगाराम जाखड़	12.12.2009	11.12.2012
4	प्रो. चन्द्रकला पाडिया	15.11.2013	14.11.2016
5	प्रो. भगीरथ सिंह	04.02.2017	03.02.2020
6	प्रो. विनोद कुमार सिंह	29.07.2020	29.07.2023
7	आचार्य मनोज दीक्षित	07.08.2023	लगातार

विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2025 तक की मुख्य परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित करवाई जा चुकी हैं। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा वर्ष 2024 तक के स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सफलतम अभ्यर्थियों एवं 01 जनवरी, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक शोध कार्य पूर्ण करने वाले शोधार्थियों को दीक्षान्त समारोह आयोजित कर उपाधि प्रदान की जा चुकी है।

विश्वविद्यालय की स्थापना के समय महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर से सम्बद्धता प्राप्त 67 महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में स्थानान्तरित हुए। कालांतर में निजी महाविद्यालयों की संख्या में तीव्रता से वृद्धि हुई तथा वर्तमान में **500** महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है जिनमें से 64 राजकीय एवं 436 निजी महाविद्यालय हैं। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2011–12 से पांच विभाग यथा– इतिहास, अंग्रेजी, पर्यावरण विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं कम्प्यूटर

विज्ञान संचालित हैं तथा सत्र 2019–20 से विधि, भूगोल, वाणिज्य एवं प्रबन्धन तथा फाइन आर्ट्स (ड्रॉइंग एण्ड पेन्टिग) प्रारम्भ किये गए। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2021–22 में तीन नवीन विभाग यथा लेखा और व्यवसाय, आर्थिक प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन एवं मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित नवीन शोधपीठ/सेन्टर्स का गठन किया गया है जो क्षेत्र के शैक्षणिक विकास में सहायक सिद्ध हो रहे हैं :

शोधपीठ : (गठन– 2021)

1. महात्मा गांधी शोधपीठ
2. स्वामी विवेकानन्द शोधपीठ
3. पं. मदन मोहन मालवीय शोधपीठ
4. महाराजा गंगा सिंह सतत शोधपीठ

सेन्टर्स :

1. पं. मदन मोहन मालवीय सेन्टर फॉर वैल्यू एज्युकेशन
2. सेन्टर फॉर एडवांस स्टडीज़ ऑफ थार डेजर्ट
3. सेन्टर फॉर वूमन स्टडीज
4. डॉ. भीमराव अम्बेडकर सेन्टर फॉर मार्जिनलाईज्ड सोसायटी
5. सेन्टर फॉर एन्टरप्रिन्योरशिप एण्ड स्किल डवलपमेंट
6. सेन्टर फॉर गांधीयन स्टडीज : पीस एण्ड नॉन वॉइलेन्स
7. सेन्टर फॉर म्यूजियम एण्ड डॉक्यूमेंटेशन
8. सेन्टर फॉर इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन

2. <u>जनशक्ति</u> :

वर्तमान में आचार्य मनोज दीक्षित, कुलगुरु एवं श्री जसवंत सिंह (राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारी) कुलसचिव पद पर पदासीन हैं। विश्वविद्यालय अधिनियम, 2003 के प्रावधानानुसार विश्वविद्यालय संगठन का संस्थागत एवं प्रशासनिक ढांचा निम्नानुसार है :–

विश्वविद्यालय संगठन

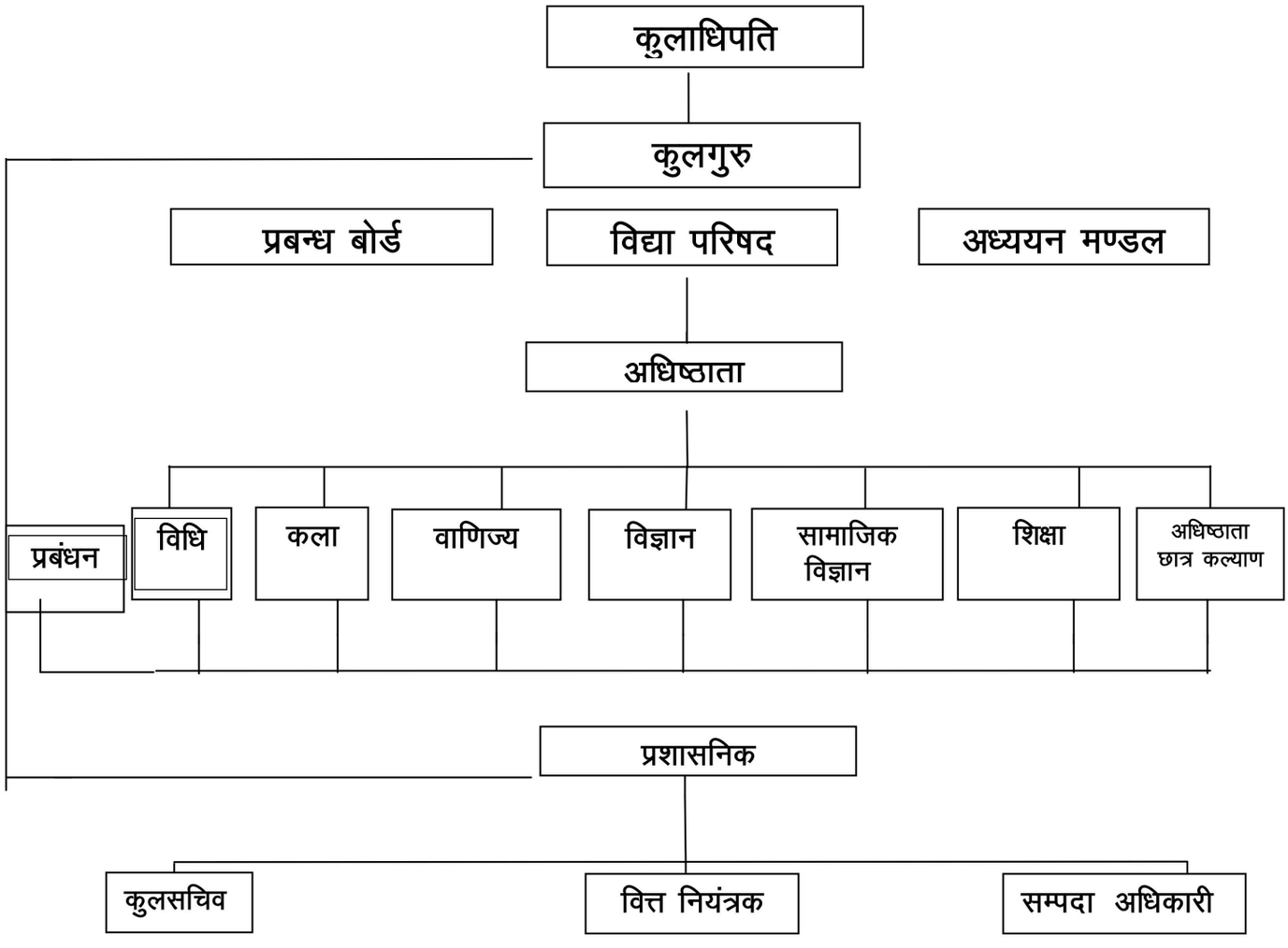

प्रबन्ध बोर्ड की संरचना

क्र.स.	नाम	पदनाम	पद	पता
1	आचार्य मनोज दीक्षित	कुलगुरु	अध्यक्ष	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
2	सुश्री सिद्धी कुमारी	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक सदस्य	सदस्य	लालगढ़ पैलेस, बीकानेर।
3	श्री तारा चंद सारस्वत	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित विधायक सदस्य	सदस्य	बी–15, समता नगर, बीकानेर।
4	पदेन	सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य	शासन सचिवालय, जयपुर।
5	पदेन	सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार	पदेन सदस्य	शासन सचिवालय, जयपुर।
6	पदेन	आयुक्त, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान	पदेन सदस्य	शिक्षा संकुल, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर।
7	प्रो. अन्नाराम शर्मा	कुलगुरु द्वारा नाम निर्देशित संकायाध्यक्ष	सदस्य	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
8	प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	कुलगुरु द्वारा नाम निर्देशित विश्वविद्यालय आचार्य	सदस्य	विभागाध्यक्ष–पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
9.	प्रो. राजाराम चोयल	कुलगुरु द्वारा नाम निर्देशित विश्वविद्यालय आचार्य	सदस्य	आचार्य–पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
10	डॉ. सतपाल स्वामी	कुलगुरु द्वारा नाम निर्देशित संकायाध्यक्ष	सदस्य	प्राचार्य, गीता टी.टी. कॉलेज, घड़साना।
11	डॉ. वरूण यादव	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	ए–256, पैरामाउण्ट गोल्फ, फोरेस्ट विला, सेक्टर जेटा–2, ग्रेटर नोएडा (उ.प.)।
12	प्रो. विश्वपति त्रिवेदी	माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	द्वारा स्प्रिंग वाया ग्रीन एवेन्यू, वसन्त कुंज, नई दिल्ली।
13.	प्रो. अमर सिह	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य	सदस्य	राजकीय नर्मदा देवी बिहानी, महाविद्यालय, नोहर, हनुमानगढ़।
14.	डॉ. अखिलानन्द पाठक	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित निजी महाविद्यालय प्राचार्य	सदस्य	

15.	प्रो. कमल कुमार मिश्रा	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	34, कल्याण कुंज कॉलोनी, कांटा चौराहा, कालावाड़ रोड, झोटवाड़ा, जयपुर।
16.	डॉ. ग्यारसी लाल जाट	राज्य सरकार द्वारा नाम निर्देशित शिक्षाविद्	सदस्य	पूर्व उपाचार्य, वार्ड न. 3 बिल्वा की ढाणी, खाटू रोड़, रींगस, सीकर।
17	श्री जसवंत सिंह	कुलसचिव	सदस्य सचिव	

विद्या परिषद की संरचना

1	आचार्य मनोज दीक्षित	**अध्यक्ष**	कुलगुरु	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
2	प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	सदस्य	संकायाध्यक्ष–विज्ञान	आचार्य–पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
3	प्रो. अन्नाराम शर्मा	सदस्य	संकायाध्यक्ष–कला	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
4	प्रो. कुमुद जैन	सदस्य	संकायाध्यक्ष–विधि	राजकीय विधि महाविद्यालय, बीकानेर।
5	डॉ. राजकुमार ठठेरा	सदस्य	संकायाध्यक्ष वाणिज्य	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
6	प्रो. सतपाल स्वामी	सदस्य	संकायाध्यक्ष–शिक्षा	गीता सह शिक्षा टी.टी. कॉलेज, घडसाना।
7	प्रो. चन्द्रशेखर कच्छावा	सदस्य	संकायाध्यक्ष–सामाजिक विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
8	डॉ. पंकज जैन	सदस्य	संकायाध्यक्ष–प्रबन्धन	प्राचार्य, बी.जे.एस.आर. जैन महाविद्यालय, बीकानेर।
9	रिक्त	सदस्य	कुलगुरु मनोनीत सदस्य	आचार्य–पर्यावरण विज्ञान, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
10	पदेन	सदस्य	शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग	राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर।
11	पदेन	सदस्य	आयुक्त, कॉलेज शिक्षा	शिक्षा संकुल, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर।
12	रिक्त		माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा मनोनीत सदस्य	

13	डॉ. बलवंत सिंह	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य प्राचार्य– राजकीय महाविद्यालय	प्राचार्य–राजकीय बीआरए महाविद्यालय, श्रीगंगानगर।
14	डॉ. सुरेश पुरोहित	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य प्राचार्य– निजी महाविद्यालय	प्राचार्य, बेसिक पीजी महाविद्यालय, बीकानेर।
15	प्रो. अभिलाषा आल्हा	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	राजकीय महारानी सुदर्शना कन्या महाविद्यालय, बीकानेर।
16	प्रो. श्यामलाल	सदस्य	राज्य सरकार द्वारा मनोनीत सदस्य	राजकीय बीआरए महाविद्यालय, श्रीगंगानगर।
17	डॉ. स्मिता जैन	सदस्य	संयोजक – वनस्पतिशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
18	प्रो. नरेन्द्र भोजक	सदस्य	संयोजक – रसायनशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
19	डॉ. ज्योति लखाणी	सदस्य	संयोजक – कम्प्यूटर विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
20	प्रो. राजाराम चोयल	सदस्य	संयोजक –पर्यावरण विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
21	डॉ. देवेश खण्डेलवाल	सदस्य	संयोजक– भूगर्भ विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
22	प्रो. संजय ईशर	सदस्य	संयोजक– गणित	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
23	डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी	सदस्य	संयोजक–सूक्ष्म जीव विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
24	डॉ. एम.डी. शर्मा	सदस्य	संयोजक–भौतिक विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
25	प्रो. राजेन्द्र पुरोहित	सदस्य	संयोजक–प्राणीशास्त्र	प्राचार्य, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
26	डॉ. सोनू शिवा	सदस्य	संयोजक– अंग्रेजी	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
27	प्रो. मंजू शर्मा	सदस्य	संयोजक–हिन्दी	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चुरू।
28	प्रो. विक्रम जीत	सदस्य	संयोजक– संस्कृत	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।

29	प्रो. सुमित्रा चारण	सदस्य	संयोजक–दर्शनशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
30	प्रो. नरेन्द्र नाथ	सदस्य	संयोजक – राजनीति विज्ञान	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
31	प्रो. राजेश भाकर	सदस्य	संयोजक – भूगोल	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
32	प्रो. विश्वप्रभा गुप्ता	सदस्य	संयोजक अर्थशास्त्र	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
33	प्रो. अभिलाषा आल्हा	सदस्य	संयोजक– गृह विज्ञान	प्राचार्य, राजकीय महारानी सुदर्शन महाविद्यालय, बीकानेर।
34	प्रो. नरेन्द्र कुमार कुमावत	सदस्य	संयोजक– चित्रकला	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
35	प्रो. मीनू तंवर	सदस्य	संयोजक–समाजशास्त्र	राजकीय बीआरजी कन्या महाविद्यालय, श्रीगंगानगर।
36	प्रो. साधना भण्डारी	सदस्य	संयोजक–लोक प्रशासन	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
37	प्रो. दिनेश चारण	सदस्य	संयोजक–इतिहास	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
38	डॉ. संजीव कुमार बंसल	सदस्य	संयोजक–एबीएसटी	राजकीय महारानी सुदर्शन महाविद्यालय, बीकानेर।
39	डॉ. राधा सोलंकी	सदस्य	संयोजक–व्यावसायिक प्रशासन	राजकीय महारानी सुदर्शन महाविद्यालय, बीकानेर।
40	डॉ. मधु सुदन प्रधान	सदस्य	संयोजक–ई.ए.एफ.एम.	राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू।
41	प्रो. वी.एन. सिंह	सदस्य	संयोजक – विधि	राजकीय विधि महाविद्यालय, श्रीगंगानगर।
42	डॉ. कविता चौधरी	सदस्य	संयोजक – शिक्षा	सेठ सुशील कुमार बिहानी स्नातक धर्म शिक्षा कॉलेज, श्रीगंगानगर।
43	डॉ. यशवंत गहलोत	सदस्य	संयोजक–शारीरिक शिक्षा	शारीरिक शिक्षा, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
44	डॉ. आसमा मसूद	सदस्य	संयोजक – उर्दू	राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर।
45	डॉ. असित गोस्वामी	सदस्य	संयोजक – संगीत	राजकीय महारानी सुदर्शन महाविद्यालय, बीकानेर।

46	डॉ. धर्मेश हरवानी	सदस्य	संयोजक– जीव प्रौद्योगिकी	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
47	प्रो. अमर सिंह	सदस्य	संयोजक सैन्य विज्ञान	राजकीय एन.डी.बी. महाविद्यालय, नोहर।
48	डॉ. विजय लक्ष्मी	सदस्य	संयोजक – राजस्थानी	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय, बीकानेर।
49	श्रीमती धनवन्तरी बिश्नोई	सदस्य	संयोजक – जी.पी.ई.एम.	राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय, बीकानेर।
50	डॉ. संदीप सिंह	सदस्य	संयोजक – पंजाबी	गुरू हर गोविन्द सिंह महाविद्यालय, सी.सी. हैड, पदमपुर।
51	डॉ. देवीशंकर	सदस्य	संयोजक – जे.वी.जे.वी.	राजकीय एस.बी.डी. महाविद्यालय, सरदारशहर।
52	डॉ. जलेन्द्र सिंह	सदस्य	संयोजक – मनोविज्ञान	सरस्वती कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बींजभायला।
53	श्री उमेश शर्मा	सदस्य	संयोजक – पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
54	डॉ. मनीष तंवर	सदस्य	संयोजक – प्रंबधन	बीजेएस रामपुरिया महाविद्यालय, बीकानेर।
55	डॉ. मेघना शर्मा	सदस्य	कुलगुरु महोदय द्वारा मनोनीत शिक्षक	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।
56	श्री जसवंत सिंह	सदस्य सचिव	कुलसचिव	महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।

अधिकारी

क्र. स.	नाम	पद
1.	आचार्य मनोज दीक्षित	कुलगुरु
2.	श्री जसवंत सिंह	कुलसचिव
3.	श्री देवेन्द्र सिंह राठौड़	वित्त नियंत्रक
4.	डॉ. मेघना शर्मा	अधिष्ठाता–छात्र कल्याण
5.	श्री कुलदीप जैन	सम्पदा अधिकारी

स्नातकोत्तर शैक्षणिक विभाग

क्र.स.	विभाग	नाम	पद
1.	**अंग्रेजी**	रिक्त	आचार्य
2.		रिक्त	सह आचार्य
3.		रिक्त	सह आचार्य
4.		डॉ. सीमा शर्मा	सह आचार्य *
5.		डॉ. प्रगति सोबती	सह आचार्य *
6.		डॉ. संतोष कंवर शेखावत	सह आचार्य *
7.	**पर्यावरण विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
8.		प्रो. अनिल कुमार छंगाणी	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष *
9.		प्रो. राजाराम चोयल	आचार्य *
10.		डॉ. अनिल कुमार दुलार	सह आचार्य *
11.		डॉ. प्रभुदान चारण	सह आचार्य *
12.		डॉ. लीला कौर	सह आचार्य *
13.	**सूक्ष्म जीव विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
14.		रिक्त	सह–आचार्य
15.		रिक्त	सह–आचार्य
16.		डॉ. गौतम मेघवंशी	सह आचार्य *
17.		डॉ. धर्मेश हरवानी	सह आचार्य *
18.		डॉ. अभिषेक वशिष्ठ	सह आचार्य *
19.	**कम्प्यूटर विज्ञान**	रिक्त	आचार्य
20.		रिक्त	सह–आचार्य
21.		रिक्त	सह–आचार्य

22.		डॉ. ज्योति लखाणी	सह आचार्य *
23.		श्री फौजा सिंह	सहायक आचार्य
24.		श्री अमरेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य
25.	**इतिहास**	रिक्त	आचार्य
26.		रिक्त	सह–आचार्य
27.		रिक्त	सह–आचार्य
28		डॉ. मेघना शर्मा	सह आचार्य *
29.		रिक्त	सहायक आचार्य
30.		रिक्त	सहायक आचार्य
31	**विधि**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
32		रिक्त	सह आचार्य– 02 पद
32		रिक्त	सहायक आचार्य– 08 पद
33	**भूगोल**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
34		रिक्त	सह–आचार्य (02 पद)
35		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)
36	**वाणिज्य एवं प्रबन्धन**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
37		रिक्त	सह–आचार्य (02 पद)
38		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)
39	**फाइन आर्ट्स (ड्रॉइंग एण्ड पेन्टिंग)**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
40		रिक्त	सह–आचार्य (02 पद)
41		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)
42	**लेखा और व्यवसाय**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
43		रिक्त	सह–आचार्य (02 पद)
44		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)
45	**आर्थिक प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
46		रिक्त	सह–आचार्य (02 पद)
47		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)
48	**मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन**	रिक्त	आचार्य (01 पद)
49		रिक्त	सह–आचार्य (02 पद)
50		रिक्त	सहायक आचार्य (03 पद)

*** केरियर एडवांसमेन्ट स्कीम के अन्तर्गत पदोन्नत।**

विश्वविद्यालय स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की पदवार स्थिति :

1. प्रशासनिक पद

पद का नाम	नॉन प्लान स्वीकृत पद	विश्वविद्यालय स्वयं की आय से स्वीकृत पद	कुल स्वीकृत पद	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
कुलगुरु	1	0	1	1	0
कुलसचिव	1	0	1	1	0
वित्त नियंत्रक	1	0	1	1	0
कुल	**3**	**0**	**3**	**3**	**0**

2.शैक्षणिक पद

विभाग एवं पद का नाम		नॉन प्लान स्वीकृत पद	विश्वविद्यालय स्वयं की आय से स्वीकृत पद	कुल स्वीकृत पद	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
इतिहास	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	1	2
अंग्रेजी	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
सूक्ष्मजीव विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
पर्यावरण विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	2	0
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0
कम्प्यूटर विज्ञान	आचार्य	1	0	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	1	2	3	3	0

विधि	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	8	8	0	8
भूगोल	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
वाणिज्य एवं प्रबन्धन	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
ड्राईग एण्ड पेन्टिंग	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
लेखा और व्यवसाय	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
आर्थिक प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन	आचार्य	0	1	1	0	1
	सह आचार्य	0	2	2	0	2
	सहायक आचार्य	0	3	3	0	3
	कुल	**10**	**67**	**77**	**15**	**62**

3. अशैक्षणिक पद

पद का नाम	स्वीकृत पद	कार्यरत पद	रिक्त पद
कुलसचिव (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	1	0
वित्त नियंत्रक (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	1	0
निदेशक शोध	1	0	1
परीक्षा नियंत्रक	1	0	1
अतिरिक्त कुलसचिव	1	1	0
उप कुलसचिव	4	2	2
एनालिस्ट कम प्रोग्रामर	1	0	1
सहायक कुलसचिव	6	4	2
अधिष्ठाता छात्र कल्याण	1	0	1
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	1	1	0
सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	1	1	0
सम्पदा अधिकारी	1	1	0
प्रोग्रामर	2	0	2
जन सम्पर्क अधिकारी	1	0	1
निजी सचिव–कुलगुरु	1	1	0
लेखाधिकारी (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	0	1
अनुभाग अधिकारी	16	16	0
वरिष्ठ निजी सहायक	2	2	0
निजी सहायक	4	1	3
स्टेनो ग्रेड–द्वितीय	5	0	5
विधि रचनाकार	1	0	1
कनिष्ठ विधि अधिकारी (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	0	1
वरिष्ठ तकनीकी सहायक (पुस्तकालय)	1	0	1
कम्प्यूटर ऑपरेटर	2	2	0
सूचना सहायक/डाटा एण्ट्री ऑपरेटर	3	0	3
मैनेजर गेस्ट हाउस	1	1	0
सहायक लेखाधिकारी–1 (राज्य सरकार द्वारा	1	0	1

पदस्थापन)			
सहायक लेखाधिकारी–2 (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	1	1	0
कनिष्ठ लेखाकार (राज्य सरकार द्वारा पदस्थापन)	4	4	0
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)	1	0	1
कार्यालय सहायक	15	15	0
वरिष्ठ लिपिक	29	17	12
कनिष्ठ लिपिक	43	0	43
प्रयोगशाला सहायक	4	3	1
तकनीकी सहायक	6	6	0
तकनीकी सहायक (ड्राईंग एण्ड पेन्टिग)	2	0	2
इलैक्ट्रीशियन	1	0	1
प्लम्बर	1	0	1
ड्राईवर	6	4	2
बुक/रिकार्ड लिफ्टर	2	0	2
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	25	0	25
लेब बॉय	4	0	4
योग	**206**	**85**	**121**

3. <u>संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण</u> : विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में संचालित संकाय एवं विषयों का विवरण निम्न प्रकार है :

संकाय	**पाठ्यक्रम / विषय**
विज्ञान	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, गणित, भू–गर्भ विज्ञान, जैव–प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना तकनीकी, सैन्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान एवं खाद्य एवं पोषण विज्ञान।
वाणिज्य	लेखा एवं व्यवसायिक सांख्यिकी, आर्थिक एवं वित्तीय प्रबन्धन एवं व्यवसायिक प्रशासन।
कला	हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, राजस्थानी, उर्दू, पंजाबी, संगीत, दर्शनशास्त्र, चित्रकला।
सामाजिक विज्ञान	लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, परिधान उत्पादन एवं निर्यात प्रबन्धन, जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान।
विधि	एलएल.बी., एलएल.एम., पांच वर्षीय बी. ए. एल एल.बी. इन्टीग्रेटेड एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
शिक्षा	बी.एड., बी.पी.एड., एम.एड., बी.एससी. बी.एड. / बी.ए. बी.एड. (चार वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम, विशेष बी.एड., चार वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम।
प्रबन्धन	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन।

4. वित्तीय वर्ष 2025–26 के आय–व्ययक अनुमान एवं वर्ष 2025–26 के संशोधित अनुमान :–

आय एवं व्यय विवरण – 2025–2026 (बजट)

आय		**राशि लाखों में**
क्र.स.	अनुदान प्राप्ति के स्रोत	2025–26 अनुमानित
क	राज्य सरकार से	
	1. प्लान / नॉन प्लान	100.02
ख	यू.जी.सी. एवं अन्य संस्था	2000.00
ग	विश्वविद्यालय की स्वयं की आय से	10895.50
	योग (क+ख+ग)	**12995.52**

(परीक्षा, सम्बद्धता, खेलकूद, प्रवेश शुल्क एवं बैंक में जमा राशि के ब्याज से विश्वविद्यालय की आय)

उक्त राशि PM-USHA के आदेश क्रमांक F30(84)SPD/RUSA/PM-USHA/2023/09289/11083067 Dated 10-10-2024 के तहत विश्वविद्यालय को स्वीकृत की गई है। इस राशि का नकद भुगतान वि.वि. को प्राप्त नहीं हुआ है। वरन वि.वि. द्वारा अग्रेषित बिलों का भुगतान PM-USHA कार्यालय द्वारा संबंधित को सीधे ही किया जाता है। उक्त राशि से संबंधित विवरण संलग्नक–'ब' में वर्णित है।

राज्य सरकार द्वारा Rajasthan Higher Technical Quality Scheme" हेतु कुल अनुदानित राशि 200 लाख आदेश क्रमांक 25(4)शिक्षा–4 / 2021 पार्ट, जयपुर दिनांक 29.03.2023 के द्वारा स्वीकृत की गई जिसमें से वर्ष 2022–2023 में 100 लाख 30.03.2023 को विश्वविद्यालय के पी.डी. खाता संख्या–7012 (ब्याज सहित) में जमा की गई थी। तकनीकी एवं अन्य अपरिहार्य कारण उक्त राशि खर्च नहीं की जा सकी, खर्च की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। वर्ष 2024–25 में शेष रही अनुदानित राशि रू. 100 लाख का प्रावधान सरकार की स्वीकृति की प्रत्याशा में रखा गया है।

व्यय		**राशि लाखों में**
क्र.स.	खर्चो का मद	2025–26 अनुमानित
क	1. प्लान / नॉन प्लान	200.02
ख	2. यूजीसी एवं अन्य संस्था से व्यय	2000.00
	योग क (1+2)	**2200.02**
ग	विश्वविद्यालय की आय से व्यय	15736.00
	योग क (क+ख+ग)	**17936.02**

नोट :– वर्ष 2024–25 के बजट अनुमानों में राशि रू. 17329.90 लाख का व्यय होने का अनुमान रखा गया था। वर्ष 2024–25 में वास्तविक व्यय राशि रू. 9063.38 लाख है। व्यय कम होने का मुख्य कारण वर्ष 2024–25 के व्ययक अनुमान में प्रस्तावित कार्यों यथा विश्वविद्यालय डिजीटलाइजेशन करने के कार्य, दो नये शैक्षणिक भवन, नवीन परीक्षा भवन के निर्माण आदि पर अपेक्षित व्यय नहीं होना रहा है।

व्ययक अनुमान 2025–26 में 15591.00 लाख रू. व्यय प्रस्तावित किया जाता है। प्रस्तावित व्यय मुख्यतः पिछले वित्तीय वर्ष में रखे गये कार्यों को अग्रेषित करने एवं नये कार्य यथा प्रशासनिक भवन के विस्तार, नवीन परीक्षा भवन एवं दो नये अकादमिक भवन के निर्माण एवं विस्तार कार्य तथा विश्वविद्यालय में पुरानी पेंशन योजना लागू के होने के कारण प्रबंध मण्डल की 39वीं बैठक में लिए गए निर्णय की पालना में 20 करोड़ रूपये पेंशन फंड में स्थानान्तरण के कारण होने वाले व्यय तथा विश्वविद्यालय संचालन के आवश्यक आवर्ति एवं अनावर्ति व्यय को पूर्ण करने के पेटे प्रस्तावित की गई है।

5. वित्तीय प्रबन्ध :

विश्वविद्यालय को मुख्यतः परीक्षा शुल्क, सम्बद्धता शुल्क एवं विश्वविद्यालय की जमा राशि पर ब्याज से आय प्राप्त होती है। वर्ष 2025–26 में निम्नलिखित मदों में आय का प्रावधान रखा गया है :–

क्र.स.	मद	प्रावधान राशि अनुमानित (लाखों में)
1	परीक्षा एवं नामांकन शुल्क	6291.30
2	सम्बद्धता एवं निरीक्षण शुल्क	1100.00
3	पुनर्मूल्यांकन शुल्क	250.00
4	पीएच.डी. पंजीयन शुल्क	60.00
5	उपयोग उत्तरपुस्तिका एवं रद्दी की नीलामी	110.00
6	एफ.डी. पर ब्याज	2700.00
7	गेस्ट हाउस एवं बैंक का किराया	19.50
8	विश्वविद्यालय वाहनों से प्राप्ति	3.00
9	खेलकूद शुल्क	40.00
10	प्रवेश शुल्क	140.00
11	एस.एफ.एस से प्राप्त आय	170.00
12	विविध प्राप्तियाँ	11.70
	कुल आय	**10895.00**

विश्वविद्यालय कोष में उपलब्ध आधिक्य राशि को राष्ट्रीयकृत बैंक (पंजाब नेशनल बैंक) में सावधी के रूप में जमा करा रखी है। उक्त सावधी जमा राशि से प्राप्त ब्याज राशि को दैनिक खर्चों एवं संस्थागत विकास के कार्यों में उपयोग में लिया जाता है।

6. विश्वविद्यालय के विभागों एवं संघटक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के नामांकन :

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर का कोई भी संघटक महाविद्यालय नहीं है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा 12 विभाग एवं स्ववित्तपोषी योजनान्तर्गत 15 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे है। वर्ष 2025–26 में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों की संख्या निम्नानुसार है :–

नियमित पाठ्यक्रम (2025–26)

पाठ्यक्रम का नाम	स्वीकृत सीट	प्रवेशित छात्र
स्नातकोत्तर कम्प्यूटर विज्ञान	30	30
स्नातकोत्तर व्यवसायिक प्रशासन	40	16
एम.बी.ए.	30	27
स्नातकोत्तर चित्रकला	20	20
स्नातकोत्तर अंग्रेजी	40	27
स्नातकोत्तर डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन	20	13
स्नातकोत्तर पर्यावरण विज्ञान	20	12
स्नातकोत्तर डिप्लोमा जियोइन्फॉर्मेटिक्स और रिमोट सेंसिंग	20	9
स्नातकोत्तर भूगोल	40	39
स्नातकोत्तर इतिहास	40	40
विधि स्नातक	60	60
पांच वर्षीय बी.ए. एल एल.बी. इन्टीग्रेटेड	60	60
स्नातकोत्तर सूक्ष्म जीव विज्ञान	30	30
कुल	**450**	**383**

स्ववित्तपोषी पाठ्यक्रम (2025–26)

पाठ्यक्रम का नाम	स्वीकृत सीट	प्रवेशित छात्र
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	30	28
बी.ए. ऑनर्स भूगोल	80	81
बी.ए. ऑनर्स इतिहास	80	80
एल एल.एम.	60	60
स्नातकोत्तर कम्प्यूटर विज्ञान लेटरल एंट्री	40	25
स्नातकोत्तर योगा एण्ड थेरेपी मैनेजमेंट	20	18
स्नातकोत्तर जैव प्रौद्योगिकी	30	22
स्नातकोत्तर डिप्लोमा कम्प्यूटर विज्ञान	40	40
स्नातकोत्तर राजस्थानी	40	40
स्नातकोत्तर डिप्लोमा लीगल एण्ड फोरेंसिक साइंस	40	18
स्नातकोत्तर जन्तु विज्ञान	20	20
स्नातकोत्तर शारीरिक शिक्षा एवं खेल	20	20
स्नातकोत्तर डिप्लोमा योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा	40	40
स्नातकोत्तर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	20	20
स्नातकोत्तर हिन्दी	20	11
कुल	**580**	**523**

7. **वित्तीय वर्ष 2025–26 की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ :**

- ❖ विश्वविद्यालय में **राष्ट्रीय शिक्षा नीति** की भावना के अनुरूप भारतीय ज्ञान परम्परा से पोषित पाठयक्रमों का निर्धारण करवाकर 'विकसित महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय–विकसित भारत' की ओर कदम बढ़ाया गया है। उक्त पाठ्यक्रमों में भारत की समृद्व विरासत, सांस्कृतिक पहचान और आत्मविश्वास जैसे बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया है। विश्वविद्यालय द्वारा इसी सत्र से अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (ए.ई.डी.पी.) प्रारम्भ किये गए है जिससे विद्यार्थियों को कक्षा अध्ययन के साथ–साथ वास्तविक कार्यस्थल अनुभव भी प्राप्त हो सकेंगे।
- ❖ विश्वविद्यालय को **पी.एम.उषा योजना के तहत 20 करोड़ रुपये** की राशि का अनुदान प्राप्त हुआ है, जिससे इस विश्वविद्यालय में अकादमिक, शोध और भौतिक संसाधनों में अभिवृद्धि हो रही है और विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाएं हाई–टेक की जा रही हैं। इस राशि से निर्मित परीक्षा केन्द्र भवन एवं केन्द्रीय शोध सुविधा भवन निर्मित हो चुके है।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए हमारे केन्द्रीय पुस्तकालय के माध्यम से नवाचार करते हुए एम.जी.एस.यू. ई–लाइब्रेरी प्लेटफार्म एवं पुस्तकालय की मोबाइल ऐप सेवा का आगाज़ किया गया है। यह विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रथम राजकीय विश्वविद्यालय है जिसने पी.एच.डी. शोध ग्रंथों को भी ई–प्लेटफार्म के माध्यम से पाठकों तक पहुंचाने का कार्य किया है।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 24 दिसम्बर 2025 को दशम दीक्षान्त समारोह आयोजित कर परीक्षा वर्ष 2024 की डिग्री एवं गोल्ड मेडल विद्यार्थियों को प्रदान कर दिये गये हैं। साथ ही 01.01.2024 से 31.12.2024 तक पीएचडी कार्य सम्पन्न कर चुके विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान कर दी गई है। साथ ही परीक्षा वर्ष 2004 से 2024 तक की अवधि में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों के डेटा नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं, जिससे विद्यार्थी डिजिलॉकर के माध्यम से अपने शैक्षणिक रिकॉर्ड का उपयोग कर सकते हैं।
- ❖ माइग्रेशन प्रमाण पत्र एवं डुप्लीकेट अंकतालिका ऑनलाईन माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है जिससे दूरस्थ इलाकों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय आने की आवश्यकता नहीं रहती है। यह नवाचार करने वाला महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर राज्य में प्रथम विश्वविद्यालय है।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा पश्चिमी राजस्थान के भौगोलिक परिदृश्य, जैव–विविधता, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य और यहाँ की समृद्ध भाषा–संस्कृति को सुदृढ़ करने के प्रयास करते हुए 'पश्चिमी राजस्थान में '**पर्यटन की पुनर्परिकल्पना**' विषय पर एक वृहद विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। माननीय केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र

सिंह जी शेखावत के मुख्य आतिथ्य में हुए इस विमर्श ने पर्यटन क्षेत्र में एक नई शुरूआत का सूत्रपात किया है।

- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा विरासत और राष्ट्रवाद के संरक्षण हेतु **'अमृत वाटिका'** की स्थापना कर इस पावन धरा के स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों के शिलालेख स्थापित किए हैं ताकि हमारे युवा छात्र अपनी माटी के नायकों के कृतित्व से प्रेरणा ले सकें। संस्कारयुक्त शिक्षा के मिशन के तहत इस वर्ष दो महत्वपूर्ण प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। 31 अक्टूबर, 2025 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण एवं 6 दिसंबर, 2025 को बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर माननीय कानून एवं विधि मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी के सानिध्य में संविधान शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को 'अंबेडकर उद्यान' में स्थापित किया गया।
- ❖ विश्वविद्यालय में सह शैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत 'झंकार' एवं 'रंग राजस्थानी' सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।
- ❖ इस वर्ष राष्ट्रीय कैडेट कोर की इकाई विश्वविद्यालय में स्वीकृत हुई है इसके अन्तर्गत परिसर में मेजर किशनसिंह शूटिंग रेन्ज बनाकर कैडेट कोर के शिविरों का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया है।
- ❖ खेल जगत में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय न केवल राज्य में अग्रणी रहा है बल्कि राष्ट्रीय मानचित्र पर भी इसने अपनी अमिट छाप छोड़ी है। विश्वविद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त ''मेजर ध्यानचंद इण्डोर स्टेडियम'' उपलब्ध होने के कारण राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को **''खेलो इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025''** में कबड्डी एवं भारोत्तोलन खेलों का आयोजन करने की जिम्मेदारी प्रदान की गई। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के खेलकूद विभाग द्वारा दिनांक 10.04.2025 से 13.04.2025 तक अंतर विश्वविद्यालय साइक्लिंग रोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरूष दोनो वर्गों में सम्पूर्ण भारत वर्ष से 48 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ने **पुरूष वर्ग में 02 स्वर्ण** एवं **महिला वर्ग में 02 स्वर्ण एवं 01 कांस्य पदक** प्राप्त कर, दोनों वर्गों में ऑवर आल चैंपियन्स ट्रॉफी प्राप्त कर विश्वविद्यालय एवं राजस्थान का गौरव बढाया।
- ❖ विश्वविद्यालय की खिलाड़ी निर्मला ने चाइना में आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम में भारतीय विश्वविद्यालय संघ का प्रतिनिधित्व करते हुए विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। उक्त खिलाड़ी के समस्त खर्चों का वित्तीय भार विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया गया।
- ❖ विश्वविद्यालय द्वारा तकनीकी सुविधाओं का विस्तार करते हुए इस वर्ष से विद्यार्थी हित में माइग्रेशन प्रमाण पत्र एवं डुप्लीकेट अंकतालिका ऑनलाईन माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही विश्वविद्यालय में राज–काज पोर्टल के माध्यम से ई–फाइलिंग सेवा प्रारम्भ की गई है।

- **विश्वविद्यालय के प्रथम मानद उपाधि समारोह का आयोजन :–** महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रथम मानद उपाधि समारोह का आयोजन दिनांक 15.04.2025 को किया गया। **माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय श्री हरिभाऊ बागड़े द्वारा** प्रसिद्ध मूर्तिकार श्री अरूण योगीराज को विश्वविद्यालय की विद्यावाचस्पति की प्रथम मानद उपाधि प्रदान की गई।
- **दो दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन :–** महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के योग विभाग एवं एनएसएस राजस्थान प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, गंगाशहर द्वारा **विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस** के उपलक्ष्य में दो दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन दिनांक 05.06.2025 एवं 06.06.2025 को किया गया।
- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ''योग संगम–2025 का आयोजन–** माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के तहत महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून, 2025 को ''योग संगम–2025'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। जिसकी थीम'' एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' रखी गई थी।
- विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा **विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस** के उपलक्ष्य में दिनांक 05 जून, 2025 को **''साइबर सुरक्षा व डिजीटल जागरूकताः बीकानेर की आवश्यकता''** विषयक ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय में पदस्थापित 11 सहायक आचार्यों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2018 के प्रावधानानुसार पात्रता पूर्ण किये जाने पर कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सी.ए.एस.) के तहत आगामी एकेडमिक लेवल सहायक आचार्य से सह आचार्य में पदोन्नत किया गया।

8. भावी योजना वित्तीय वर्ष (2025–26) :

- विश्वविद्यालय की आगामी शैक्षणिक यात्रा को योजनाबद्ध करने के उद्देश्य से **विज़न–2030** तैयार करवाया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय में नवीन रोज़गारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का प्रारम्भ करना ताकि स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सके।
- समस्त संकायों का समावेश करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में नवीन विभागों की स्वीकृति प्राप्त कर संचालन करना।
- विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर महाविद्यालय एवं खेलकूद महाविद्यालय प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।
- विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की प्रशासनिक एवं शैक्षणिक ऑडिट कराने का प्रावधान।

- विश्वविद्यालय में विकास परिषद (सी.डी.सी.) एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र(एच.आर.डी.सी.–शिक्षकों/कार्मिकों के उन्नयन एवं गुणवत्ता बनाये रखने के लिए) की स्थापना।
- विश्वविद्यालय में नव–स्थापित सेन्टर्स को संबन्धित क्षेत्र में स्थापित उपक्रमों से सम्पर्क स्थापित कर क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित करना।
- अन्तर्विषयक शोध के माध्यम से विश्वविद्यालय औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना।
- विश्वविद्यालय में पारदर्शिता को सुनिश्चित करने व छात्रों की सुविधा हेतु प्रशासनिक व परीक्षा संबंधी कार्यों का डिजिटलाइज़ेशन का कार्य सम्पूर्ण कराना।
- विश्वविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक संवर्ग के पदों पर नियुक्ति प्रदान करने की योजना।
- विश्वविद्यालय द्वारा Placement Policy निर्धारित कर विद्यार्थियों को उनकी योग्यतानुसार भारत सरकार एवं राज्य सरकार की रोज़गारोन्मुखी योजनाओं यथा Startup India, Stand up India, Make in India इत्यादि के अनुरूप स्व–रोज़गार के लिए सहायता उपलब्ध कराने की योजना।
- राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर शैक्षणिक एवं शोध कार्यो की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना।
- विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के पुस्तकालयों को ऑनलाइन माध्यम से जोड़कर विद्यार्थियों की सुविधाओं में विस्तार करना।
- विश्वविद्यालय में केन्द्रीय शोध केन्द्र की स्थापना कर सम्बद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को शोध कार्य के लिए सुविधा उपलब्ध करवाना।
- विश्वविद्यालय परिसर को ''ग्रीन एवं प्रदूषण मुक्त'' बनाने का कार्य।

(जसवंत सिंह)
कुलसचिव